नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 259
दि. 20.01.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

नोएडा में इंजीनियर की मौत का मामला: सीएम योगी ने मामले का लिया संज्ञान, सीईओ हटाए गए

नोएडा , (जीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई करते हुए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम को पद से हटा दिया है। इसे प्रशासनिक जवाबदेही की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, सीएम ने साफ निर्देश दिए हैं कि जांच में यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या दोष सामने आता है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एसआईटी का नेतृत्व एडीजी जोन मेरठ करेंगे। उनके साथ मंडलायुक्त मेरठ और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के चीफ इंजीनियर को भी टीम में शामिल किया गया है। जांच यह टीम पांच दिनों के भीतर अपनी जांच पूरी कर मुख्यमंत्री को रिपोर्ट सौंपेगी।

इसके साथ ही नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम को हटा दिए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई करते हुए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम को पद से हटा दिया है। इसे प्रशासनिक जवाबदेही की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, सीएम ने साफ निर्देश दिए हैं कि जांच में यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या दोष सामने आता है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एसआईटी का नेतृत्व एडीजी जोन मेरठ करेंगे। उनके साथ मंडलायुक्त मेरठ और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के चीफ इंजीनियर को भी टीम में शामिल किया गया है। जांच टीम को हादसे के कारणों, संबंधित विभागों की भूमिका, लापरवाही की जिम्मेदारी और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उपायों की विस्तृत पड़ताल करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन पर उठे गंभीर सवाल

सेक्टर-150 क्षेत्र में भारी जलभराव के दौरान सॉफ्टवेयर इंजीनियर की कार पानी से भरे गड्ढे/अंडरपास में फंस गई थी, जिससे कार समेत व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय प्रशासन, विकास प्राधिकरण और संबंधित एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हुए थे।

तीन सदस्यीय एसआईटी करेगी जांच

ये जांच भी करेगी एसआईटी

एसआईटी क्षेत्र में जलनिकासी व्यवस्था, सड़क निर्माण की गुणवत्ता, चेतावनी संकेतों की मौजूदगी और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की भी जांच करेगी।

फेफड़ों से निकला 3.5 लीटर पानी

मृतक इंजीनियर युवराज मेहता की सोमवार को पोर्टमार्टम रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि युवराज की मृत्यु का कारण दम घुटना बताया गया है। पोस्टमार्टम के अनुसार उनके फेफड़ों में करीब साढ़े तीन लीटर पानी भरा हुआ पाया गया, जिससे यह साबित होता है कि वह काफी देर तक पानी में डूबे रहे। डॉक्टरों की रिपोर्ट में कहा गया है कि लंबे समय तक पानी में रहने से उनके फेफड़ों में भारी मात्रा में पानी चला गया, जिससे ऑक्सीजन की आपूर्ति रुक गई और दम घुटने की स्थिति पैदा हुई। इसी दौरान शरीर पर अत्यधिक दबाव पड़ने से हार्ट फेलियर भी हुआ, जो मौत का तत्काल कारण बना।

झूले पर बैठी दोस्ती, पश्मीना में लिपटा भरोसा; यूएई राष्ट्रपति को पीएम मोदी से मिले गिफ्ट में भारतीय विरासत की झलक

(जीएनएस)।

सऊदी अरब से तनाव के बीच संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने सोमवार (19 जनवरी, 2026) को भारत का दौरा किया. शेख नाहयान सिर्फ दो घंटे के दौरे के लिए भारत पहुंचे, जिनके स्वागत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद प्रोटोकॉल तोड़कर उन्हें रिसीव करने के लिए एयरपोर्ट पहुंच गए. पीएम मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति का गले लगाकर गर्मजोशी से स्वागत किया और फिर एक ही कार में बैठकर दोनों एयरपोर्ट से निकले.

हालांकि, राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का मात्र दो घंटे के लिए भारत की यात्रा पर पहुंचना चर्चा का एक प्रमुख विषय बन गया है. दरअसल, इस चर्चा के पीछे का मुख्य कारण इस यात्रा की टाइमिंग है. यूएई के राष्ट्रपति भारत की यात्रा पर ऐसे वक्त में हुआ जब ईरान पर अमेरिकी हमला का खतरा टल गया है, तो दूसरी तरफ भारत को अमेरिका की ओर से गाजा शांति बोर्ड में शामिल होने के लिए न्योता मिला है.

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति के भारत दौरे को लेकर विदेश मंत्रालय ने सोमवार (19 जनवरी, 2026) को एक आधिकारिक बयान जारी किया है. बयान में भारतीय विदेश मंत्रालय (MEA) ने कहा, 'यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद

अल नाहयान का यह भारत दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण के बाद हो रहा है. महामहिम अल नाहयान के यूएई के राष्ट्रपति बनने के बाद यह भारत की उनकी तीसरी आधिकारिक यात्रा है और पिछले एक दशक में यह उनकी पांचवीं भारत यात्रा है.'

विदेश मंत्रालय ने आगे कहा, 'सोमवार की शाम दोनों देशों के नेताओं के बीच मुलाकात तय है. यूएई के राष्ट्रपति अल नाहयान का यह दौरा दोनों नेताओं को भारत और संयुक्त अरब अमीरात के स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को और मजबूत करने का अवसर देगी. उनकी इस यात्रा के दौरान दोनों नेता कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर आपसी हित से जुड़े मुद्दों पर बात करेंगे.' संयुक्त अरब अमीरात की भारत यात्रा से परिचित लोगों ने बताया कि राष्ट्रपति अल नाहयान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बातचीत के एजेंडे में मुख्य रूप से व्यापार, निवेश, रक्षा उद्योग में सहयोग के साथ-साथ ऊर्जा से जुड़ी पहल के मुद्दे शामिल रहने की उम्मीद है. दो घंटे के भारत यात्रा के शेड्यूल के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान भारतीय समयानुसार शाम साढ़े चार बजे के करीब राजधानी दिल्ली पहुंचे. इसके बाद करीब 4 बजकर 45 मिनट पर उनकी और प्रधानमंत्री मोदी की वार्ता शुरू हुई और करीब शाम 6 बजे वो दिल्ली से रवाना हुए.

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और उनके परिवार का गर्मजोशी से स्वागत किया. इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने यूएई राष्ट्रपति और उनके परिवार को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़े पारंपरिक उपहार भेंट किए.

प्रधानमंत्री मोदी ने यूएई राष्ट्रपति को गुजरात की पारंपरिक शाही नक्काशीदार लकड़ी की झूला (झूला) भेंट की. यह सुंदर झूला बारीक फूलों और पारंपरिक डिजाइनों से हाथ से तराशा गया है और गुजरात के कई परिवारों के घरों का अभिन्न हिस्सा माना जाता है. गुजराती संस्कृति में झूला आपसी संवाद, पारिवारिक एकता और पीढ़ियों के बीच जुड़ाव का प्रतीक है. यह उपहार यूएई द्वारा 2026 को 'ईयर ऑफ फैमिली' घोषित किए जाने के संदर्भ में भी विशेष महत्व रखता है.

77वें गणतंत्र पर्व 26 जनवरी, 2026 का राज्य स्तरीय समारोह नवगठित वाव-थराद जिले में आयोजित होगा

- राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में ध्वजारोहण करेंगे तथा परेड की सलामी लेंगे
- उप मुख्यमंत्री तथा मंत्रिमंडल के अन्य सदस्य राज्य के जिलों में विभिन्न तहसील मुख्यालयों पर फहराएंगे तिरंगा
- 9 जिलों में कलेक्टरों के करकमलों से ध्वजारोहण

गांधीनगर, (जीएनएस)। 77वें गणतंत्र पर्व 26 जनवरी 2026 का राज्य स्तरीय समारोह नवगठित वाव-थराद जिले में आयोजित होगा।

राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में वाव-थराद जिला मुख्यालय मालपुर में नए कोर्ट के सामने स्थित हेलीपैड मैदान में गणतंत्र पर्व पर सुबह 9 बजे राष्ट्रध्वज फहरा कर ध्वज वंदन कराएंगे और परेड मार्च पास्ट की सलामी लेंगे। इस राज्य स्तरीय समारोह के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा पुलिस बल द्वारा विभिन्न निदर्शन भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल से राष्ट्रीय पर्वों का राज्य स्तरीय समारोह अलग-अलग जिलों में जन भागीदारी से आयोजित करने की शुरू कराई गई नूतन परंपरा के अनुसार 77वें गणतंत्र पर्व का राज्य स्तरीय समारोह नवगठित वाव-थराद जिले में आयोजित होने वाला है।

यह राष्ट्रीय पर्व राज्य के विभिन्न जिलों में तहसील मुख्यालयों पर आयोजित होगा। इसमें उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी अहमदाबाद में मकरबा क्षेत्र में ध्वजारोहण करेंगे। इसके अलावा; राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य सम्बद्ध जिलों के मुख्यालयों पर गणतंत्र पर्व समारोह में उपस्थित रहकर ध्वजारोहण करेंगे।

राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा इस संदर्भ में घोषित की गई सूची के अनुसार केबिनेट स्तरीय मंत्रियों में वित्त मंत्री श्री कनुभाई देसाई नवसारी जिले के चीखली में, कृषि मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी राजकोट जिले के जेतपुर में, ऊर्जा मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल गांधीनगर जिले के माणसा में, श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री कुँवरजीभाई बावळिया पोरबंदर जिले के राणावाव में, आदिजाति विकास मंत्री श्री नरेशभाई पटेल वलसाड जिले के उमरगाम में, वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया दाहोद जिले के गोविंद गुरु-लींबडी में, शिक्षा मंत्री डॉ. प्रद्युमनभाई वाजा साबरकाँठा जिले के हिंमतनगर में तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री रमणभाई सोलंकी खेडा जिले के ठासरा में तिरंगा फहराएंगे।

राज्य स्तरीय मंत्री जिन जिलों में गणतंत्र पर्व के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण करेंगे; उनमें जल संसाधन राज्य मंत्री श्री ईश्वरसिंह पटेल नर्मदा जिले के एकतानगर (केवडिया) में, महिला एवं बाल कल्याण राज्य मंत्री डॉ. मनीषाबेन वकील छोटा उदेपुर जिले के बोडेली में, मत्स्योद्योग राज्य मंत्री श्री परसोत्तम सोलंकी गीर-सोमनाथ जिले के तालाला में, श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री श्री कांतिभाई अमृतिया कच्छ जिले के भुज में, कृषि राज्य मंत्री श्री रमेशभाई कटारा पंचमहाल जिले के हालोल में, शहरी विकास राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन वाघेला सुरेन्द्रनगर जिले के वढवाण में, विधि राज्य मंत्री श्री कौशिकभाई वेकरिया भावनगर जिले के वलभीपुर में, परिवहन राज्य मंत्री श्री प्रवीणभाई माळी मेहसाणा जिले के विसनगर में, खेल राज्य मंत्री डॉ. जयरामभाई गामित डांग जिले के आहवा में, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्री त्रिकमभाई छांग अमरेली जिले के खांभा में, वित्त राज्य मंत्री श्री कमलेशभाई पटेल वडोदरा जिले के वाघोडिया में, राजस्व राज्य मंत्री श्री संजयसिंह महिडा आणंद जिले के खंभात में, आदिजाति विकास राज्य मंत्री श्री पी. सी. बरंडा महिसागर जिले के कडाणा में, कुटीर उद्योग राज्य मंत्री श्री स्वरूपजी ठाकोर पाटण जिले के शंखेश्वर में तथा प्राथमिक, माध्यमिक एवं प्रौढ़ शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रीवाबा जाडेजा बोटाद जिले के गढडा में तिरंगा फहराएंगे।

राज्य के जिन 9 जिलों के तहसील मुख्यालयों पर जिला कलेक्टरों द्वारा ध्वजारोहण होने वाला है; उनमें अरवल्ली जिले के मेघरज में, बनासकाँठा के ओगड में, भरूच जिले के आमोद में, देवभूमि द्वारका जिले के भाणवड में, जामनगर जिले के कालावड में, जूनागढ जिले के केशोद में, मोरबी जिले के टंकारा में, सूरत जिले के मांडवी में तथा तापी जिले के उच्छल में सम्बद्ध जिला कलेक्टर तिरंगा झंडा फहराएंगे।

अत्यंत गौरव का विषय है कि उ.प्र. को 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन तथा विधानमंडलों के सचिवों के 62वें सम्मेलन की मेजबानी का अवसर प्राप्त हुआ : श्री महाना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि राज्य को 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन तथा विधानमंडलों के सचिवों के 62वें सम्मेलन की मेजबानी का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन संसदीय लोकतंत्र की गरिमा, विधायी मयार्दाओं और संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मंच है।

विधानसभा अध्यक्ष ने सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और संरक्षण में उत्तर प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला का विशेष स्वागत करते हुए कहा कि संसदीय नवाचारों, तकनीकी समावेशन और लोकतांत्रिक परंपराओं को सशक्त करने में उनका योगदान देश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहनीय है।

श्री महाना ने राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश, उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति श्री कुंवर मानवेन्द्र सिंह, नेता प्रतिपक्ष श्री माता प्रसाद पाण्डेय सहित देशभर से पधारे सभी पीठासीन अधिकारियों, उप पीठासीन अधिकारियों, सचिवों एवं प्रतिनिधियों का हार्दिक अभिनंदन किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पहचान उसकी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत, लोकतांत्रिक चेतना और सेवा भाव से है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विगत वर्षों में प्रदेश की कानून-व्यवस्था, आधारभूत ढांचे और निवेश वातावरण में अभूतपूर्व सुधार हुआ है, जिससे प्रदेश की छवि राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर सशक्त हुई है।

उन्होंने कहा कि विधायिका की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जनता के प्रति जवाबदेही है। संविधान ने विधायिका को व्यापक अधिकार दिए हैं, लेकिन उनके साथ कर्तव्यों का पालन भी उतना ही आवश्यक है। विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया—सभी लोकतंत्र के स्तंभ हैं और अपनी-अपनी सीमाओं में रहकर परस्पर सहयोग, सम्मान और संतुलन से ही लोकतंत्र को मजबूत किया जा सकता है।

श्री महाना ने कहा कि इस तीन दिवसीय सम्मेलन में विधायिका की जनता के प्रति जिम्मेदारी, प्रभावी संसदीय कार्यप्रणाली, तथा डिजिटल तकनीक और नवाचारों के जनहित में उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक और सार्थक चर्चा होगी। इन विचार-विमर्शों से निकले निष्कर्ष देश की सभी विधानसभाओं और विधान परिषदों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होंगे।

कीर्ति आजाद ने घुसपैठ पर पीएम मोदी पर किया पलटवार, दिल्ली और पहलगाम में सुरक्षा चूक पर उठाए सवाल

दुर्गापुरः (जीएनएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव कुछ ही महीनों दूर हैं लेकिन राज्य की सियासत अभी से काफी गरमा गई है. हुगली जिले में सिंगूर के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घुसपैठ पर तंज के बाद, पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को सुरक्षित रास्ता देने का आरोप लगाते हुए उनसे नेशनल सिक्योरिटी पर सवाल किया है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सिंगूर में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर 'वोट बैंक' की राजनीति के लिए घुसपैठियों की मदद करके राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया था.

पीएम मोदी के बयान पर जवाब देते हुए बर्दवान-दुर्गापुर सीट से तृणमूल सांसद कीर्ति आजाद ने नेशनल सिक्योरिटी के मुद्दे पर सीधे नरेंद्र मोदी सरकार को आड़े हाथों लिया. प्रधानमंत्री पर निशाना साधने के लिए उन्होंने दिल्ली ब्लास्ट और कश्मीर की बैसरन घाटी में हुए आतंकवादी हमलों का जिक्र किया.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल का दौरा तब किया जब एसआईआर प्रोसेस को लेकर राजनीतिक पारा अपने चरम पर था. हर बार की तरह इस बार भी उन्होंने घुसपैठ के मुद्दे पर राज्य सरकार पर कड़ा हमला बोला है.

रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंगूर में एक रैली से सीधे राज्य सरकार पर नेशनल सिक्योरिटी में रुकावट डालने का आरोप लगाया. उन्होंने आरोप लगाया कि वोट बैंक की राजनीति बनाए रखने और घुसपैठियों को बचाने के लिए तृणमूल बॉर्डर पर फेंसिंग के काम में रुकावट डाल रही है.

पीएम मोदी ने कहा कि, तृणमूल कांग्रेस ने इन घुसपैठियों को नकली कागजात बनाने में मदद की है. सिर्फ अपने पक्के वोट बैंक को बचाने के लिए. उन्होंने कहा था कि, तृणमूल इन घुसपैठियों को हर तरह की सुविधाएं दे रही है.

'माफिया की तरह काम कर रहे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, शशि थरूर के बेटे ने अमेरिकी राष्ट्रपति की उधेड़ी बखिया

(जीएनएस)।

सोमवार को दावोस शिखर सम्मेलन के दौरान द वाशिंग्टन पोस्ट के पत्रकार और कांग्रेस नेता शशि थरूर के बेटे ईशान थरूर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर एक तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल ने साफ कर दिया है कि वह वैश्विक राजनीति को किसी "माफिया बॉस" की तरह चलाते हैं।

एक साल पहले भी उठे थे सवाल

इंडिया टुडे से बातचीत में ईशान थरूर ने बताया कि ठीक एक साल पहले इसी मंच पर इस बात को लेकर बहस चल रही थी कि क्या ट्रंप दुनिया में कोई "सकारात्मक बदलाव" लाएंगे या फिर माफिया बॉस जैसा व्यवहार करेंगे। ईशान थरूर ने आगे कहा, "मुझे लगता है कि उन्होंने इस सवाल का जवाब पूरी तरह से 'और ज्यादा माफिया बॉस की तरह' के पक्ष में दे दिया है।" उनके इस बयान ने दावोस में मौजूद कई विशेषज्ञों का ध्यान खींचा।

फाइनेंशियल टाइम्स के रचमैन भी सहमत

ईशान थरूर के साथ मंच पर मौजूद फाइनेंशियल टाइम्स के स्तंभकार गिडियन रचमैन ने भी उनकी बात से सहमति जताई। उन्होंने कहा, "माफिया परिवारों में भी कुछ समय तक शांति रहती है, लेकिन आखिर में वे एक-दूसरे पर गोली चलाना शुरू कर देते हैं।"

फिल्मों जैसा माफिया स्टाइलः रचमैन

रचमैन ने आगे कहा कि ट्रंप का पूरा तौर-तरीका बिल्कुल वैसा है, जैसा फिल्मों में माफिया बॉस को दिखाया जाता है। उनका "मोडस ऑपरेंडी" है डर, दबाव और सौदेबाजी के जरिए चीजें मनवाना। नामक शो में ईशान थरूर ने कहा कि इस समय अमेरिका की विदेश नीति किसी सिस्टम से नहीं, बल्कि सीधे ट्रंप के व्यक्तित्व से संचालित हो रही है।

मोहसिन-मुनीर के चंगुल में फंसा बांग्लादेश, पाकिस्तान की बात मान हुआ बर्बाद, देश में हो सकता है क्रिकेट खत्म

वर्ल्ड कप 2026 को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड अब एक ऐसे चौराहे पर खड़ा है, जहाँ से उसकी एक गलती देश के पूरे क्रिकेट इकोसिस्टम को तहस-नहस कर सकती है। आगामी

बुधवार को आईसीसी की डेडलाइन खत्म हो रही है, लेकिन बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का 'एंटी-इंडिया ईगो' (भारत विरोधी अहंकार) खेल पर भारी पड़ता दिख रहा है।

विशेषज्ञों की मानें तो बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड अब अपनी ही अंतरिम सरकार की जिद और आईसीसी के नियमों के बीच फंस गया है।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के दूरदर्शी नेतृत्व में पश्चिम रेलवे पर प्रमुख 'कवच' सुरक्षा कार्य प्रस्तावित

मुंबई,

रेल संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा उन्नत तकनीकों को अपनाने की दिशा में, माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में, भारतीय रेल की अम्ब्रेला वर्क 2024-25 के अंतर्गत पश्चिम रेलवे पर ङअश्अउल् ट्रेन टक्कर रोधी प्रणाली के कार्यान्वयन हेतु दो महत्वपूर्ण मदवार (ङ्ग्रीरी) कार्य प्रस्तावित किए गए हैं।

विचाराधीन इस प्रस्ताव की कुल अनुमानित लागत ₹483.65 करोड़ है, जिसमें निम्नलिखित कार्य शामिल हैं—

उधना-जलगांव खंड (307 रूट किलोमीटर) पर KAVACH की व्यवस्था

इस महत्वपूर्ण खंड पर KAVACH प्रणाली की स्थापना हेतु ₹109.83 करोड़ की लागत प्रस्तावित की गई है, जिससे परिचालन सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

पश्चिम रेलवे के 436 इंजनों में संशोधन, उन्नयन एवं प्रोग्रामिंग कार्य KAVACH प्रणाली के सुचारु एवं प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पश्चिम रेलवे के 436 मौजूदा इंजनों में आवश्यक संशोधन, उन्नयन एवं प्रोग्रामिंग हेतु ₹373.82 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

ये दोनों कार्य भारतीय रेल की व्यापक अम्ब्रेला परियोजना ढ्भारतीय रेल के शेष मार्गों पर दीर्घकालिक विकास (LTE) संचार बैकबोन के साथ KAVACH की व्यवस्था का हिस्सा हैं, जिसे कार्य, मशीनरी एवं रोलिंग स्टॉक कार्यक्रम 2024-25 के अंतर्गत ₹27,693 करोड़ (PH-33) की लागत से स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस अम्ब्रेला परियोजना के अंतर्गत पश्चिम रेलवे के लिए ₹2,800 करोड़ की उप-अम्ब्रेला राशि स्वीकृत की गई है।

प्रस्तावित पहलें भारतीय रेल की रेल संरक्षा ढांचे को सुदृढ़ करने तथा आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों के तीव्र कार्यान्वयन के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं, जो माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के मार्गदर्शन एवं दृष्टिकोण के अनुरूप है।

भावनगर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक ने टिकट जांच में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 13 कर्मचारियों को किया सम्मानित

पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल में टिकट जांच के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 13 कर्मचारियों को मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा द्वारा नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंडल के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इस संबंध में भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि भावनगर मंडल के टिकट जांच कर्मी अत्यंत जिम्मेदारी एवं निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। ये कर्मी न केवल यात्रियों की यात्रा को सुगम बनाने में सहायक हैं, बल्कि रेलवे की आय वृद्धि में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

उन्होंने जानकारी दी कि भावनगर मंडल द्वारा अप्रैल 2025 से दिसंबर 2025 की अवधि के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ₹5.09 करोड़ की आय अर्जित की गई है, जबकि मात्र अप्रैल 2025 माह में ही ₹77.23 लाख की आय दर्ज की गई है।

मंडल रेल प्रबंधक द्वारा सम्मानित किए गए कर्मचारियों के नाम इस प्रकार हैं–श्री आई. बी. मुंशी (आरक्षण पर्यवेक्षक, गांधीग्राम), श्री ध्रुव अमीन (सीनियर सीसी/टीसी, गांधीग्राम), श्री योगेन्द्र सिंह (सीसी/टीसी, जूनागढ़), श्री आर. एम. चौहान (मुख्य वाणिज्य लिपिक, भावनगर), श्री वी. एन. जडेजा (आरक्षण पर्यवेक्षक, जूनागढ़), श्री शैलेष बी. परमार (उप मुख्य टिकट निरीक्षक, गांधीग्राम), श्री अरविंद कुमार गुर्जर (उप मुख्य टिकट निरीक्षक, वेरावल), श्री के. सी. मीणा (मुख्य टिकट निरीक्षक, गांधीग्राम), श्री प्रेम चंद (सीनियर सीसी/टीसी, गांधीग्राम), श्री राजन कुमार सिंह (मुख्य टिकट निरीक्षक, वेरावल), श्री आर. पी. मेघवंशी (मुख्य टिकट संग्राहक, बोटाद), श्री जे. पी. मकवाना (मुख्य टिकट निरीक्षक, बोटाद) एवं श्री अमोद कुमार (सीसी/टीसी, बोटाद)।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने सभी सम्मानित कर्मचारियों के कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

ग्राम रघुनाथपुर में उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं पंचायत भवन का किया निरीक्षण

जिलाधिकारी ने ग्राम विकास अधिकारी को निलम्बित करने के निर्देश

कौशाम्बी। (जीएनएस)।

जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज विकास खण्ड सिराथू की ग्राम रघुनाथपुर में उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं पंचायत भवन का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने उच्च प्राथमिक विद्यालय के निरीक्षण के दौरान विद्यालय के बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य अधूरा पाए जाने एवं गेट लगा न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए खण्ड विकास अधिकारी को गेट लगवाने एवं बाउण्ड्रीवाल का कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय के शौचालय की साफ-सफाई की स्थिति ठीक न पाए जाने पर प्रधानाचार्य व ग्राम प्रधान को शौचालय की साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापक से नामांकित बच्चां की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि बच्चों की उपस्थिति और बढ़ाया जाय। शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाय एवं बच्चों को मानक के अनुरूप मध्यान्ह भोजन प्रदान किया जाय। उन्होने कक्षा में निपुण तालिका लगी न पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रधानाध्यापक को निपुण तालिक लगाने के साथ ही तालिका अपडेट रखने के निर्देश दिए। उन्होने विद्यालय परिसर में स्थित ऑगनबाड़ी केन्द्र में पोषाहार का वितरण न पाए जाने एवं इ.सी.सी.ई. का उपयोग न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सी.डी.पी.ओ. को सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने एवं पोषाहार का वितरण समयबद्ध कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने पंचायत भवन के निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन जर्जर अवस्था में पाए जाने पर खण्ड विकास अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी को गॉव की नालियों एवं गांव में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था तथा सभी आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूल के बाउण्ड्रीवाल का कार्य अधूरा व गेट न लगाने, सामुदायिक शौचालय की साफ-सफाई की स्थिति ठीक न पाए जाने आदि कार्य में लापरवाही पाए जाने पर ग्राम विकास अधिकारी विनय कुमार चौधरी को निलम्बित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 03 सदस्यीय-परियोजना निदेशक, अधिशासी अभिंयता लो.नि.वि. एवं सहायक वित्त व लेखाधिकारी बेसिक की टीम गठित कर जॉच कराने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी सिराथू भावेश शुक्ला सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (AIPOC) का लखनऊ में उद्घाटन; लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने किया संबोधित

सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिया शुभकामना संदेश

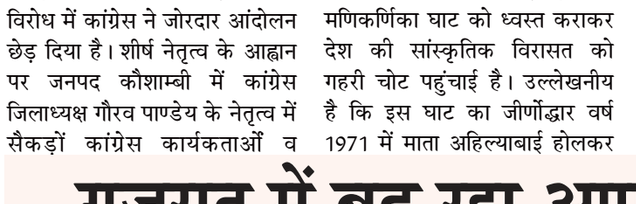

पीठासीन अधिकारी का आचरण दलगत राजनीति से हटकर पूर्णतः न्यायपूर्ण होना चाहिए, तथा न्यायपूर्ण दिखना भी चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

राज्य विधानसभाओं की कार्यवाही के लिए एक निश्चित एवं पर्याप्त समय सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है: लोक सभा अध्यक्ष

सदन जितना अधिक चलेगा, उतनी ही अधिक सार्थक, गंभीर और परिणामोन्मुख चर्चा संभव होगी: लोक सभा अध्यक्ष

लखनऊ। (जीएनएस)।

86वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (अक्ढडउ) आज उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्रारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस सम्मेलन का उद्घाटन उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किया।

लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य संबोधन दिया। सम्मेलन में 28 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं तथा 6 विधान परिषदों के पीठासीन अधिकारी सहभागिता कर रहे हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने सम्मेलन में शामिल सभी पीठासीन अधिकारियों के लिए

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का शुभकामना संदेश पढ़ा।

अपने उद्बोधन में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि पीठासीन अधिकारी चाहे जिस भी राजनीतिक दल से आते हो, उनका आचरण दलगत राजनीति से हटकर पूर्णतः न्यायपूर्ण एवं निष्पक्ष होना चाहिए तथा न्यायपूर्ण व निष्पक्ष दिखना भी चाहिए।

अपने संबोधन में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि विधायिका के माध्यम से जनता की आकांक्षाएं और आवाज शासन तक पहुँचती है, तथा उनका समाधान होता है। ऐसे में राज्य विधानमंडलों की कार्यवाही का घटता समय सभी के लिए चिंताजनक है। श्री बिरला ने राज्य विधानमंडलों की कार्यवाही के लिए निश्चित एवं पर्याप्त समय सुनिश्चित करने पर बल देते हुए कहा कि सदन जितना अधिक चलेगा, उतनी ही अधिक सार्थक, गंभीर और परिणामोन्मुख चर्चा संभव होगी।

श्री बिरला ने कहा कि आधुनिक सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के युग में जनप्रतिनिधियों के प्रत्येक आचरण पर जनता की दृष्टि रहती है, इसलिए संसदीय शिष्टाचार और अनुशासन का पालन और भी अधिक आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि आज तकनीक के युग में जब चारों तरफ से सूचना का प्रवाह होता है, तब सदन की प्रामाणिकता बनाए रखना, हम सभी की महती ज़िम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन जैसे मंच लोकतांत्रिक संस्थाओं के बीच सहयोग को बढ़ाते हैं, आपसी समन्वय को मजबूत करते हैं और शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाते हैं। इन सम्मेलनों से देशभर में नीतियों और कल्याणकारी उपायों में सामंजस्य स्थापित करने में भी सहायता मिलती है।

श्री बिरला ने कहा कि पीठासीन अधिकारियों के रूप में यह हमारा कर्तव्य है कि सदन में सभी सदस्यों, विशेषकर नए और युवा सदस्यों को पर्याप्त अवसर प्रदान किए जाएं, ताकि विधानमंडल जनता की समस्याओं को उठाने का सबसे प्रभावी मंच बना रहे।

तीन दिवसीय इस सम्मेलन में आगामी दो दिन पूर्ण सत्रों में विधायी प्रक्रियाओं में तकनीक का उपयोग, विधायकों का क्षमता-निर्माण तथा जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

यह चौथी बार है जब उत्तर प्रदेश इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इससे पूर्व राज्य में दिसंबर 1961, अक्तूबर 1985 तथा जनवरी-फरवरी 2015 में इस सम्मेलन का आयोजन किया जा चुका है।

86वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन 21 जनवरी, 2026 को संपन्न होगा। इस अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला समापन सत्र को संबोधित करेंगे। सम्मेलन के उपरांत श्री बिरला मीडिया को संबोधित करते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेंगे।

21 जनवरी को विकास खंड सिराथू में रोजगार मेले का होगा आयोजन

कौशाम्बी । (जीएनएस)।

शिक्षित अभ्यर्थियो को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ब्लाक स्तर पर जिला सेवायोजन कार्यालय, राजकीय आई0टी0आई0 एवं कौशल विकास मिशन के संयुक्त तत्वाधान में आज ब्लाक परिसर कडा में एक दिवसीय अप्रेण्टिसशिप/रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें निजी क्षेत्र की 02 कंपनियों ने चयन की कार्यवाही करते हुए एस0आई0एस0 सिक्योरिटी लि0 ने 02 चयन तथा कृष्णा मारूति ने 18 चयन किये। रोजगार मेले में जिला सेवायोजन कार्यालय से विनोद कुमार सिंह, कौशल विकास मिशन के ब्लाक प्रबंधक प्रतीक अवस्थी, जनशिक्षण संस्थान से राजू शुक्ला एवं ब्लॉक कडा के स्टाफ उपस्थित रहें।

इसके साथ ही दिनांक-21 जनवरी, 2026, दिन बुधवार को ब्लाक परिसर सिराथू में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, स्नातकोत्तर, आई0टी0आई0, डिप्लोमा एवं कौशल प्रशिक्षण प्राप्त सभी प्रकार के इच्छुक अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकतें हैं।

ऐतिहासिक धरोहर पर प्रहार के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल

मणिकर्णिका घाट ध्वस्तीकरण को लेकर राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

कौशाम्बी। (जीएनएस)।

भाजपा सरकार द्वारा ऐतिहासिक धरोहरों को निशाना बनाए जाने के विरोध में कांग्रेस ने जोरदार आंदोलन छेड़ दिया है। शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर जनपद कौशाम्बी में कांग्रेस जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकताओं व पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि 10 जनवरी 2026 को भाजपा सरकार ने ऐतिहासिक मणिकर्णिका घाट को ध्वस्त कराकर देश की सांस्कृतिक विरासत को गहरी चोट पहुंचाई है। उल्लेखनीय है कि इस घाट का जीर्णोद्धार वर्ष 1971 में माता अहिल्याबाई होलकर द्वारा कराया गया था, जो भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की अमूल्य धरोहर है।

जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता के अहंकार में ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों को नष्ट कर रही है। कांग्रेस इस अन्याय को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी और जरूरत पड़ी तो सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी।

ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि मणिकर्णिका घाट का तत्काल पुनर्निर्माण कराया जाए तथा दोषी अधिकारियों व जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

इस अवसर पर मोहम्मद अकरम, दीपक पांडे, सम्मू जाफरी, सचिन पांडे, रावत, शशि मिश्रा, संगीता कोरी सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ऐतिहासिक धरोहर पर प्रहार के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल

मणिकर्णिका घाट ध्वस्तीकरण को लेकर राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

कौशाम्बी। (जीएनएस)।

भाजपा सरकार द्वारा ऐतिहासिक धरोहरों को निशाना बनाए जाने के विरोध में कांग्रेस ने जोरदार आंदोलन छेड़ दिया है। शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर जनपद कौशाम्बी में कांग्रेस जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकताओं व पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि 10 जनवरी 2026 को भाजपा सरकार ने ऐतिहासिक

मणिकर्णिका घाट को ध्वस्त कराकर देश की सांस्कृतिक विरासत को गहरी चोट पहुंचाई है। उल्लेखनीय है कि इस घाट का जीर्णोद्धार वर्ष 1971 में माता अहिल्याबाई होलकर द्वारा कराया गया था, जो भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की अमूल्य धरोहर है।

जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता के अहंकार में ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों को नष्ट कर रही है। कांग्रेस इस अन्याय को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी और जरूरत पड़ी तो सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी।

ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि मणिकर्णिका घाट का तत्काल पुनर्निर्माण कराया जाए तथा दोषी अधिकारियों व जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

इस अवसर पर मोहम्मद अकरम, दीपक पांडे, सम्मू जाफरी, सचिन पांडे, रावत, शशि मिश्रा, संगीता कोरी सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गुजरात में बढ़ रहा आप का ग्राफ, कांग्रेस को पछाड़कर आम आदमी पार्टी बनी दूसरी ताकत

(जीएनएस)।

गुजरात में आम आदमी पार्टी का ग्राफ तेजी से बढ़ता दिख रहा है। हालिया सर्वे में ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस को पछाड़कर आप प्रदेश की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनने जा रही है ह्हीढश्रीश्री और उक्क्ृ की ओर से "ढ४'री ड्ढा ॠ्१३ 2026" सर्वे के आंकड़े इसका संकेत देते हैं। सर्वे के संकेतों से लगता है कि गुजरात की राजनीति अब भाजपा बनाम आम आदमी पार्टी की दिशा में बढ़ रही है। कांग्रेस लगातार कमजोर होती जा रही है।

सर्वे के मुताबिक गुजरात में आम आदमी पार्टी का वोट शेयर 24.8 प्रतिशत तक पहुंच गया है। कांग्रेस का वोट शेयर गिरकर 17.3 प्रतिशत रह गया है। आम आदमी पार्टी अब कांग्रेस को पीछे छोड़कर गुजरात की दूसरी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है।

– भाजपा अभी भी करीब 49.5 प्रतिशत वोट शेयर के साथ आगे है, लेकिन अब उसे सीधी चुनौती कांग्रेस की बजाय आम आदमी पार्टी से मिलती हुई दिख रही है।

– अगर 2022 के विधानसभा चुनाव से तुलना की जाए तो बदलाव और स्पष्ट हो जाता है। 2022 में कांग्रेस को लगभग 27 प्रतिशत वोट मिले थे, जो 2017 के 40 प्रतिशत के मुकाबले पहले ही काफी बड़ी गिरावट थी।

– अब तीन साल बाद स्थिति यह है कि कांग्रेस का वोट शेयर करीब 10 प्रतिशत और गिर गया है। आम आदमी पार्टी 2022 में पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ते हुए करीब 13 प्रतिशत वोट शेयर तक पहुंची थी।

– तीन साल में आम आदमी पार्टी का वोट शेयर लगभग दोगुना हो चुका है। यह साफ संकेत है कि कांग्रेस का पारंपरिक वोट अब बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी की ओर शिफ्ट हो रहा है।

अअढ का प्रभाव हर क्षेत्र में बढ़ रहा

क्षेत्रीय आंकड़े भी यही कहानी कहते हैं। सौराष्ट्र-कच्छ जैसे इलाकों में, जहां भाजपा को कुछ नुकसान की आशंका जताई जा रही है। आम आदमी पार्टी तेजी से अपनी पकड़ बना रही है। उत्तर और मध्य गुजरात में भाजपा अब भी आगे है, लेकिन शहरी और मेट्रो इलाकों में आम आदमी पार्टी को कांग्रेस से कहीं ज्यादा समर्थन मिल रहा है। शहरी गुजरात में आप (अअढ) को अब दूसरी पसंद नहीं, बल्कि सीधी चुनौती देने वाली पार्टी के रूप में देखा जा रहा है।

अहमदाबाद में हुआ आम आदमी पार्टी का बड़ा सम्मेलन

अहमदाबाद में आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं का बड़ा सम्मेलन हुआ। इस सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अब गुजरात की जनता के मन से डर निकल चुका है।

उन्नाव में कांग्रेस ने पीएम मोदी के खिलाफ ज्ञापन सौंपा:हनुमान जी को पतंग में दिखाने पर जताया विरोध

कांग्रेस ने पीएम मोदी के खिलाफ ज्ञापन सौंपा।

उन्नाव (जीएनएस)। कांग्रेस कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एसडीएम सदर को एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित पतंग महोत्सव के दौरान हनुमान जी के स्वरूप को पतंग के रूप में प्रदर्शित करने के विरोध में दिया गया। कांग्रेस का आरोप है कि इस कृत्य से करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

ज्ञापन में बताया गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भगवान हनुमान के स्वरूप को पतंग के रूप में उड़ाया था। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि श्री हनुमान जी करोड़ों देशवासियों की

आस्था, श्रद्धा और विश्वास के केंद्र हैं। उनके स्वरूप को सार्वजनिक मनोरंजन का विषय बनाना हिंदू एवं सनातन धर्म की आस्था का अपमान है।

इस घटना को लेकर देशभर में रोष व्याप्त है और जनभावनाएं आहत हुई हैं। कांग्रेस ने कहा कि एक संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति से समाज की धार्मिक आस्थाओं के प्रति संवेदनशीलता की अपेक्षा की जाती है।

कांग्रेस कार्यकताओं ने मांग की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कृत्य के लिए सार्वजनिक रूप से बिना शर्त तत्काल क्षमा याचना करें। यदि वे क्षमा मांगने से इनकार करते हैं, तो संवैधानिक मयार्दाओं की रक्षा हेतु उनसे पद से इस्तीफा लिया जाए।

इसके अतिरिक्त, भविष्य में किसी भी धर्म या आस्था के प्रतीकों के प्रति ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए आवश्यक निर्देश जारी करने की भी मांग की गई। ज्ञापन के अंत में प्रशासन से जन-आस्था और संवैधानिक गरिमा की रक्षा हेतु उचित कार्रवाई करने का विश्वास व्यक्त किया गया।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

चाबहार पोर्ट को लेकर फैल रही अटकलों पर विदेश मंत्रालय ने दिया जवाब

ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद से ही यह सवाल बना हुआ था कि भारत पर इसका क्या असर पड़ेगा? ईरान से भारत का व्यापार अमेरिकी प्रातिबंधों के कारण बेशक बड़ा नहीं है लेकिन ईरान रणनीतिक रूप से भारत के लिए काफी अहम है। ईरान के दक्षिणी तट पर सिस्तानब्लूचिस्तान प्रांत में स्थित चाबहार बंदरगाह इसी रणनीति का अहम हिस्सा है। इसे भारत और ईरान मिलकर विकसित कर रहे थे ताकि भारत को मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक सीधे पहुंच मिल सके। चाबहार भारत के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि इसके जरिए वह पाकिस्तान को बाइपास करते हुए मध्य एशिया पहुंच सकता है। लेकिन अमेरिका के अतिरिक्त टैरिफ की घोषणा के बाद से भारत के चाबहार पोर्ट से बाहर होने की खबरें जोर पकड़ने लगी हैं। इन खबरों और अटकलों को देखते हुए भारत सरकार ने बीते शुक्रवार को जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रावक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा, जैसा कि आप जानते हैं 28 अक्टूबर 2025 को अमेरिकी वित्त विभाग ने एक पत्र जारी किया था जिसमें 26 अप्रौल 2026 तक वैध सशर्त प्रातिबंध छूट के दिशा-निर्देश दिए गए थे। हम इस व्यवस्था को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी पक्ष के साथ सपर्व में हैं। ईरान के साथ हमारा संबंध लंबे समय से चला आ रहा है। हम घटनाव्रम पर करीबी नजर रखे हुए हैं और इस साझेदारी को आगे बढ़ाएंगे। पिछले वर्ष भारत और ईरान के साथ व्यापार 1.6 अरब डॉलर का था। ईरान, भारत के वुल व्यापार का 0.15 प्रातिशत हिस्सा है। दरअसल, चाबहार को लेकर इन अटकलों को हवा मिली इकनॉमिक टाइम्स में छपी एक रिपोर्ट से। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत ने चाबहार परियोजना से खुद को रणनीतिक रूप से पीछे करना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने अपने तय निवेश की राशि पहले ही ईरान को ट्रांसफर कर दी है और इस परियोजना का संचालन करने वाली सरकारी वंपनी इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड ने औपचारिक रूप से दूरी बना ली है ताकि भविष्य में किसी भी अमेरिकी प्रातिबंध से बचा जा सके। विपक्षी पार्टियां, वरिष्ठ पत्रकार और यहां तक कि अंतर्राष्ट्रीय मामलों के जानकार भी अमेरिका को लेकर भारत की नीति पर सवाल उठा रहे हैं। इनका दावा है कि भारत बार-बार अमेरिका को नाराज न करने के दबाव में झुक रहा है और अपने बड़े हितो को नुकसान पहुंचा रहा है। कांग्रेस के प्रावक्ता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया एक्स पर सवाल किया है कि भारत आखिर कब तक अमेरिका के दबाव में पैसला लेता रहेगा? उन्होंने लिखा— असल मुद्दा केवल चाबहार या रूस के तेल का नहीं है। असली सवाल यह है कि मोदी अमेरिका को भारत पर दबाव डालने क्यों दे रहे हैं? सामरिक मामलों के विशेषज्ञ डॉ. ब्र१ा चेलानी ने एक्स पर लिखा : 2019 में जब अमेरिका ने ईरान के तेल पर प्रातिबंध लगाए तो भारत ने अचानक ईरान से तेल खरीदना बंद कर दिया। इससे भारत और ईरान के बीच चला आ रहा ऊर्जा संबंध लगभग खत्म हो गया और इसका सीधा फायदा चीन को मिला। चाबहार बंदरगाह पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट जिसे चीन चला रहा है उसके मुकाबले भारत का एक रणनीतिक जवाब माना जाता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ईरान का चाबहार पोर्ट भारत के लिए बेहद अहम ट्रेड हब है। इस पोर्ट को विकसित करने में हमने 47000 करोड़ रुपए का निवेश किया हुआ है। चाबहार भारत के पाकिस्तान को बाइपास कर अफगानिस्तान और सैंट्रल एशिया पहुंचाने में मदद करता है। ईरान को लेकर फिलहाल ट्रंप का रवैया कभी हां, कभी ना वाला रहा है। फिलहाल वूटनीतिक पहल कर भारत अमेरिका के साथ इस मुद्दे पर अपनी बात मनवा सकता है, ऐसी आशा हम करते हैं। भारत अपने हितों को ऊपर रखे और किसी भी बाहरी दबाव में न आए।

असम की सड़कों को मिलेगा ग्लोबल टच, इस योजना से बदल जाएगी पूर्वोत्तर की तस्वीर

(जीएनएस)।

असम माला 2.0 राज्य की सड़क संरचना को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने की एक महत्वाकांक्षी योजना है। असम में आधुनिक, तेज और सुरक्षित सड़क नेटवर्क विकसित करने की दिशा में यह अहम कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2024 में इस योजना के दूसरे चरण की आधारशिला रखी थी। आवाजाही को सुगम बनाने के साथ ही पूर्वोत्तर को देश के प्रमुख हिस्सों से कनेक्टिविटी बेहतर बनाएगी।

असम माला 2.0 के तहत राज्यभर में लगभग 1,000 किलोमीटर लंबी सड़कों का नेटवर्क विकसित और उन्नत किया जाएगा। इस योजना में 43 प्रमुख सड़कों का अपग्रेडेशन का काम भी शामिल है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी बनेगी।

38 महत्वपूर्ण पुलों का भी होगा निर्माण

- इसके साथ ही इस चरण में 38 महत्वपूर्ण पुलों के निर्माण और सुधार का कार्य भी किया जाएगा। ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों पर यातायात को सुगम बनाएंगे।

- इसके अलावा, गुवाहाटी एयरपोर्ट को जोड़ने वाली सड़क के चौड़ीकरण का काम भी इसी योजना का हिस्सा है। इससे एयरपोर्ट तक पहुंच और भी आसान होगी।

2.0: लागत और निवेश

असम माला 2.0 के तहत शुरू की गई विभिन्न सड़क और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए ₹3,444 करोड़ का प्रारंभिक निवेश आवंटित किया गया है। मार्च 2025 में पेश असम बजट में बुनियादी ढांचे के लिए ₹7,481 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसमें 'असम माला' के अंतर्गत 'वन डिस्ट्रिक्ट वन रोड' पहल के लिए ₹2,625 करोड़ अलग से रखे गए हैं। इससे यह साफ है कि राज्य सरकार इस परियोजना को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

समय की बचत और ट्रैफिक पर

असर

इस योजना के तहत गुवाहाटी और अपर असम के प्रमुख शहरों में एलिवेटेड कॉरिडोर और फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। इससे शहरी इलाकों में ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। अनुमान है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद शहरों में यात्रा का समय 30 से 45 मिनट तक कम हो जाएगा। इसके अलावा, यह योजना रअरएउ कॉरिडोर से भी जुड़ी हुई है, जिससे अंतर-राज्य और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को नई गति मिलेगी। पूर्वोत्तर में निवेश और व्यापार के विस्तार के लिए यह प्रोजेक्ट महत्वपूर्ण है।

2026 के अंत तक पूरा हो जाएगा

- असम माला 2.0 के अंतर्गत अधिकांश पुलों और सड़कों का निर्माण कार्य 2023-24 में शुरू हो चुका है।
- गुवाहाटी रिंग रोड और प्रमुख फ्लाईओवर प्रोजेक्ट्स को दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि छोटे खंड और जिला सड़कें 2026 के अंत तक चरणबद्ध तरीके से पूरी होने की उम्मीद है।
- असम माला 2.0 न केवल राज्य की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा बल्कि असम को पूर्वोत्तर भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर हब बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।

स्मार्ट शहर -स्मार्ट उपाय : सीसीटीवी+एआई=आवारा गाय को भीड़ में चिह्नित कर उसके मालिक की पहचान उजागर करेगा

- फिंगर प्रिंट की तरह गाय की नाक है उसकी यूनिक बायोमेट्रिक आईडी : नाक की रचना, आँखों तथा चेहरे को स्कैन करने वाली टेक्नोलॉजी
- अहमदाबाद महानगर पालिका के लिए पायलट प्रोजेक्ट की तैयारी, एजेंसी द्वारा एआई मॉडल निर्माण पर कार्य शुरू
- गुजरात के शहरों के सर्वांगीण विकास का विजन, एआई टेक्नोलॉजी से स्मार्ट गवर्नेंस की ओर राज्य सरकार के बढ़ते कदम

गांधीनगर, 19 जनवरी : गुजरात के शहरों को स्मार्ट बनाने के लिए राज्य सरकार आधुनिक टेक्नोलॉजी तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग को प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गांधीनगर में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना किए जाने के बाद इस टेक्नोलॉजी को राज्य के शासन में समाविष्ट कर नागरिक सेवा वितरण को समृद्ध बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए अहमदाबाद महानगर पालिका (मनपा) क्षेत्र के दायरे में आने वाली समस्या के लिए एक महत्वपूर्ण पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है, जिसके माध्यम से आने वाले दिनों में आवारा पशुओं के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं का समाधान आसान बनेगा।

अहमदाबाद में भटकती-आवारा गायों के कारण कई बार यातायात समस्या देखने को मिलती है। हाल में अहमदाबाद मनपा की टीम सीसीटीवी कैमरा की सहायता से अलग-अलग क्षेत्रों में आवारा गायों की तसवीर खींचने के बाद उसमें लगी माइक्रो चिप तथा आरएफआईडी टैग के आधार पर गाय को चिह्नित करती है। यह प्रक्रिया मैन्युअल होने के कारण इसमें समय एवं ऊर्जा का काफी व्यय होता है। इस कार्य को तेज बनाने तथा समय एवं ऊर्जा का व्यय घटाने के लिए अब एआई टेक्नोलॉजी को इस कार्य में शामिल करने के प्रयास शुरू किए गए हैं।

इस समस्या के निवारण के उद्देश्य से गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा एक एजेंसी को एआई मॉडल बनाने का कार्य सौंपा गया है। एजेंसी ने डीप लर्निंग मॉडल द्वारा इस समस्या के निराकरण के लिए कुछ सुझाव प्रस्तुत किए हैं और उनके आधार पर एजेंसी संचालन समिति के समक्ष उनके द्वारा तैयार किया गया मॉडल शीघ्र ही प्रस्तुत करेगी। एजेंसी सीसीटीवी कैमरा द्वारा ली जाने वाली तसवीरों को एआई मॉडल के साथ एकीकृत कर रियल टाइम में गाय तथा उसके मालिक की पहचान करने वाला एआई मॉडल तैयार कर रही है।

एजेंसी का प्रस्तावित एआई मॉडल कैसे काम करेगा ?

एजेंसी ने कम्प्यूटर विजन तथा डीप लर्निंग एआई मॉडल द्वारा इस समस्या का समाधान सुझाया है। इस मॉडल अंतर्गत एआई गाय के चेहरे को स्कैन करेगा, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण पहचान गाय की नाक के आधार पर होगी। जिस प्रकार हर व्यक्ति की फिंगर प्रिंट अलग-अलग होती है, उसी प्रकार हर गाय के नाक का डिजाइन अलग-अलग होता है। इसके अलावा; गाय की आँखों व चेहरे पर कोई दाग या निशान हो, तो उसे भी स्कैन किया जाएगा। उसके आधार पर एआई मॉडल उस गाय को भीड़ में चिह्नित कर लेगा और डेटाबेस के साथ मैच कर गाय के मालिक का विवरण भी प्रस्तुत कर देगा।

हाल में अहमदाबाद में लगभग 1 लाख 10 हजार गायों में आरएफआईडी टैग तथा माइक्रो चिप लगी हुई हैं। उसका डेटाबेस अहमदाबाद मनपा द्वारा संरक्षित किया जाता है। शहर में 130 जंक्शन पर कैमरा द्वारा आवारा गायों की तसवीरें ली जाती हैं। एआई आधारित यह सॉल्यूशन यदि कारगर सिद्ध होगा, तो मनपा क्षेत्र में आवारा गायों के कारण होने वाली यातायात व अन्य समस्याओं के शीघ्र निवारण में सहायता मिलेगी। इसके माध्यम से सरकार का आवारा गायों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोककर सार्वजनिक सुरक्षा बढ़ाने और डेटा आधारित निरीक्षण व्यवस्था को प्रस्थापित करने का उद्देश्य है।

कलर्स के 'सहर होने को है' में दिल जीत रहा है #महर पार्थ समथान और ऋषिता कोठारी अपने ऑन-स्क्रीन रोमांस पर

एक ऐसी दुनिया में जहाँ पावर, पितृसत्ता और सर्वाइवल का राज है, प्यार एक विरोध बन जाता है! और कलर्स का 'सहर होने को है' यह साबित कर रहा है कि जब प्यार भावनात्मक सच्चाई पर आधारित होता है, तो यह सबसे ज्यादा असरदार ताकत हो सकता है। जो एक परतदार फैमिली ड्रामा के तौर पर शुरू हुआ था, वह अब धीरे-धीरे एक दिलचस्प लव स्टोरी में बदल रहा है, जिसमें रोमांस कहानी का केंद्रबिंदू बन गया है। इस बदलाव के केंद्र में पार्थ समथान माहिद के रूप में और ऋषिता कोठारी सहर के रूप में एक नई, जबरदस्त लीड जोड़ी है।

यह रोमांस इसलिए क्लिक होता है क्योंकि इसके दोनों लीड्स में जबरदस्त अंतर है। माहिद विशेषाधिकार का प्रतीक है, एक ताकतवर परिवार का वारिस, जिसकी बुनियाद अधिकार और भावनात्मक नियंत्रण पर बनी है। सहर दूसरी तरफ खड़ी है, जो उम्मीद, हिम्मत और डॉक्टर बनकर बेहतर भविष्य बनाने के सपने से प्रेरित है। वे हर तरह से एक-दूसरे से अलग हैं, फिर भी किस्मत उन्हें भावनात्मक ईमानदारी के पलों के जरिए एक साथ बुनना शुरू कर देती है। माहिद और सहर का रिश्ता चोरी-छिपे नजरों, हिचकिचाती बातचीत और उन खामोशियों से धीरे-धीरे बनता है जो शब्दों से ज्यादा बयां होती हैं। यह शांत, मासूम और इमोशनल

रोमांस ही है जिसने दर्शकों के दिलों को छू लिया है, जो इस जोड़ी को पसंद कर रहे हैं और प्यार से उन्हें #टौ१ नाम दिया है।

दर्शकों के जबरदस्त रिस्पॉन्स के बारे में बात करते हुए पार्थ समथान ने कहा, ह्लमाहिद ऐसा इंसान है जिसे नेतृत्व करने के लिए पाला गया है, महसूस करने के लिए नहीं। वह बहुत ज्यादा विशेषाधिकार वाले परिवार से आता है, लेकिन ऐसी जगह से भी जहाँ भावनात्मक कमजोरी को कभी बढ़ावा नहीं दिया गया। इस वजह से सहर के साथ उसका कनेक्शन प्रत्यक्ष दिखता नहीं है; यह सहज और बहुत अंदरूनी है। ऋषिता के साथ तुरंत आराम और भरोसा महसूस हुआ, जिससे हम उस भावनात्मक ईमानदारी को पर्दे पर उतार सके। हमारे कई सबसे शक्तिशाली पल डायलॉग से जुड़े नहीं हैं, बल्कि इस बारे में हैं कि माहिद और सहर अंदर ही अंदर क्या महसूस कर रहे हैं। यह बात कि दर्शक उन छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दे रहे हैं और #टौ१ को इतना जबरदस्त रिस्पॉन्स दे रहे हैं, मुझे बताती है कि दर्शक सच में इस रोमांस को पसंद कर रहे हैं।ह्व

ऋषिता कोठारी ने आगे कहा, ह्लमाहिद की दुनिया में सहर ज्यादा नैतिक स्पष्टता लाती है - ऐसे गुण जिनकी वह हमेशा तारीफ करता था लेकिन कभी पूरी तरह से अपना नहीं पाया। उसके जरिए, माहिद अपने आस-पास और यहाँ तक कि अपने अंदर के पॉवर स्ट्रक्चर पर भी सवाल उठाना शुरू कर देता है। उनका रिश्ता उसे सॉफ्ट बनाता है; यह उसे अच्छे तरीके से बेचैन करता है। यही अंदरूनी बदलाव उनके रिश्ते को परतदार और बदलावकारी बनाता है। सहर पहली बार अपनी आवाज उठा रही है, और माहिद बिना उसे परिभाषित करने, कंट्रोल करने या बचाने की कोशिश किए, उसके लिए भावनात्मक सुरक्षा देता है। इस तरह का सपोर्ट बहुत कम मिलता है। पार्थ के साथ काम करने से यह डायनामिक बहुत ऑर्गेनिक हो जाता है क्योंकि वह हर सीन में बहुत ज्यादा सेंसिटिविटी लाता है। जब हम चुपचाप खड़े होते हैं, तब भी इमोशनल एक्सचेंज हो रहा होता है, और मुझे लगता है कि दर्शक इसी पर रिएक्ट कर रहे हैं।ह्व

मौजूदा ट्रैक में माहिद और सहर की शादी की रस्में नए ट्विस्ट और टर्न के साथ होती हैं। तनाव बढ़ने और वफादारी की परीक्षा होने के साथ, #टौ१ का भविष्य अधर में लटका हुआ है, जिससे दर्शक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि आगे क्या होगा।

'सहर होने को है' हर सोमवार से शुक्रवार रात 10:00 बजे सिर्फ कलर्स पर देखें

पंजाब नेशनल बैंक वित्त वर्ष 2026 की तीसरी और 9 वीं तिमाही के लिए वित्तीय परिणाम

लखनऊ 19 जनवरी 2026: पंजाब नेशनल बैंक (ढटड), देश के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक, ने आज वित्त वर्ष 2026 की तीसरी और 9 वीं तिमाही के लिए वित्तीय परिणाम घोषित किए।

शुद्ध लाभ वर्ष-दर-वर्ष 13.1% बढ़कर वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में ₹5,100 करोड़ हो गया, जो वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में ₹4,508 करोड़ था। अस्तियों पर रिटर्न वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 1.03% से सुधरकर वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में 1.06% हो गया। परिचालन लाभ वर्ष-दर-वर्ष 13% बढ़कर वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में ₹.7,481 करोड़ हो गया, जो वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में ₹6,621 करोड़ था। सकल गैर-निष्पादित अस्तियां अनुपात दिसंबर'24 के 4.09% से वर्ष-दर-वर्ष 90 आधार अंक सुधरकर दिसंबर'25 में 3.19% हो गया। शुद्ध गैर-निष्पादित अस्तियां अनुपात दिसंबर'24 के 0.41% से वर्ष-दर-वर्ष 9 आधार अंक सुधरकर दिसंबर'25 में 0.32% हो गया। प्रावधान कवरेज अनुपात (टीडब्ल्यूओ सहित) दिसंबर'24 के 96.77% से वर्ष-दर-वर्ष 22 आधार अंक सुधरकर दिसंबर'25 में 96.99% हो गया। प्रति शेयर बुक वैल्यू वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में ₹102.02 से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में ₹114.09 हो गई, जो 11.83% की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दशार्ती है। प्रति शेयर आय वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में ₹3.92 से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में ₹4.44 हो गई, जो 13.27%.की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दशार्ती है। वैश्विक कारोबार दिसंबर'24 के ₹26,39,991 करोड़ से वर्ष-दर-वर्ष 9.5% बढ़कर दिसंबर'25 में ₹28,91,528 करोड़ हो गया। वैश्विक जमा दिसंबर'24 के ₹15.30 लाख करोड़ से वर्ष-दर-वर्ष 8.5% की वृद्धि दर्ज करते हुए दिसंबर'25 में ₹16.60 लाख करोड़ हो गए। वैश्विक अग्रिम दिसंबर'24 के ₹11.10 लाख करोड़ से वर्ष-दर-वर्ष 10.9% बढ़कर दिसंबर'25 में ₹12.31 लाख करोड़ हो गए। रैम अग्रिम दिसंबर'24 के ₹5.96 लाख करोड़ से वर्ष-दर-वर्ष 11.0% बढ़कर दिसंबर'25 में ₹6.62 लाख करोड़ हो गए। सीडी अनुपात दिसंबर'24 में 72.6% की तुलना में दिसंबर'25 में 74.2% रहा। सीआरएआर दिसंबर'24 के 15.41% से सुधरकर दिसंबर'25 में 16.77% हो गया, जो 136 आधार अंकों की वृद्धि दशार्ता है बचत जमा वर्ष-दर-वर्ष 4.8% की वृद्धि दर्ज करते हुए ₹5,15,799 करोड़ हो गए। चालू जमा वर्ष-दर-वर्ष 9.1% की वृद्धि दर्ज करते हुए ₹76,377 करोड़ हो गए। कासा जमा वर्ष-दर-वर्ष 5.3%. की वृद्धि दर्ज करते हुए ₹5,92,176 करोड़ हो गए। बैंक का कासा शेयर दिसंबर'25 तक 37.1% रहा। कुल सावधि जमा दिसंबर'25 तक वर्ष-दर-वर्ष 10.4% की वृद्धि के साथ ₹10,68,114 करोड़ हो गए। अग्रिमः कोर खुदरा अग्रीम में दिसंबर 2025 तक बैंक में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 18.9% की वृद्धि हुई।

'रिंकू सिंह जिहादी मानसिकता के,' विवादों में घिरे भारतीय खिलाड़ी की बढ़ी मुश्किलें

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट के उभरते हुए सितारे रिंकू सिंह एक बड़े विवाद में फंस गए हैं। टी20 वर्ल्ड कप और न्यूजीलैंड सीरीज से ठीक पहले रिंकू सिंह के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। करणी सेना ने उन पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने और 'जिहादी मानसिकता' रखने का गंभीर आरोप लगाया है। पूरा विवाद रिंकू सिंह के फेसबुक अकाउंट से शेयर किए गए एक अक-जेनरेटेड वीडियो को लेकर शुरू हुआ है।

विवादित वीडियो में रिंकू सिंह को छक्के मारते हुए दिखाया गया है, जिसके बाद हिंदू देवी-देवताओं (भगवान विष्णु, शिव और गणेश) की अक तस्वीरें दिखाई देती हैं। इन तस्वीरों में देवताओं को चश्मा पहने और एक कार (थार) में बैठे दिखाया गया है, जिसे भगवान हनुमान चला रहे हैं।

वीडियो का मकसद यह दिखाना था कि रिंकू की सफलता भगवान के आशीर्वाद से है, लेकिन करणी सेना ने इसे देवताओं का अपमान करार दिया है। करणी सेना के जिला अध्यक्ष सुमित तोमर ने रिंकू सिंह की तुलना कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के मालिक शाहरुख खान से करते हुए कहा कि रिंकू ने अपनी 'असली मानसिकता' दिखा दी है। यहां तक की रिंकू को जिहादी मानसिकता वाला इंसान बता दिया।

रिपोर्ट्स के अनुसार तोमर ने कहा, "हमारे आराध्य देवों को चश्मा पहनाकर अंग्रेजी गानों पर नचाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रिंकू सिंह को सनातन धर्म से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए।" अलीगढ़ के सासनी गेट थाने में इस मामले की शिकायत दर्ज कराई गई है।

फिलहाल पुलिस वीडियो की सत्यता और इसे पोस्ट करने वाले व्यक्ति की जांच कर रही है। रिंकू सिंह इस समय नागपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की तैयारियों में जुटे हैं। उनके फैंस का मानना है कि यह वीडियो किसी ने उन्हें बदनाम करने के लिए बनाया है या उन्होंने अनजाने में इसे श्रद्धा भाव से शेयर किया होगा।

रिंकू सिंह जानबूझकर किसी विवाद का हिस्सा नहीं बनते हैं, उनका पूरा ध्यान गेम पर है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद टीम इंडिया को टी20 वर्ल्ड कप में भी खेलना है।

क्या भारत दे देगा $1 बिलियन ? ट्रंप के बोर्ड ऑफ पीस की इनसाइड स्टोरी

(जीएनएस)।

टैरिफ मुद्दे पर भारत के साथ रिश्तों में कड़वाहट के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में जारी संघर्ष खत्म करने के लिए बनाए गए हाई-प्रोफाइल 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने के लिए दूसरे देशों के साथ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी न्योता दिया है। यह खबर न केवल कूटनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय है, बल्कि इसने दुनिया को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या भारत अब मिडिल ईस्ट में सबसे बड़ा मध्यस्थ बन कर उभरेगा। जानिए इस महाशक्तिशाली बोर्ड में भारत की भूमिका और $1 बिलियन के योगदान की सच्चाई।

क्या है ट्रंप का 'बोर्ड ऑफ पीस' प्रस्ताव ?

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने 20-सूत्रीय पीस रोडमैप के तहत एक अंतरराष्ट्रीय निगरानी समिति बनाने का सुझाव दिया है। यह बोर्ड गाजा में युद्धविराम लागू करवाने, मानवीय सहायता सुनिश्चित करने और युद्ध के बाद गाजा के पुनर्निर्माण की निगरानी करेगा। खास बात यह है कि ट्रंप ने इस बोर्ड के लिए दुनिया के उन चुनिंदा नेताओं को चुना है, जिनका प्रभाव दोनों पक्षों (इजराइल और अरब देशों) पर समान रूप से है। भारत के अलावा इस सूची में रूस के राष्ट्रपति पुतिन और पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ का नाम भी शामिल है।

भारत के विदेश मंत्रालय ने इस प्रस्ताव पर बेहद सधा हुआ रुख अपनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप के विजन की सराहना करते हुए इसे "स्थायी शांति का मार्ग" बताया है। भारत की नीति हमेशा से 'टू-स्टेट सॉल्यूशन' की रही है, जहां इजराइल और फिलिस्तीन दोनों शांति से रह सकें।

भारतीय विदेश मंत्रालय इस समय इस न्योते के तकनीकी पहलुओं की जांच कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, भारत इस बोर्ड में शामिल होने के लिए तैयार है, लेकिन वह अपनी शर्तों और निष्पक्षता पर कोई समझौता नहीं करना चाहता। भारत का मानना है कि केवल सैन्य समाधान से शांति नहीं आ सकती, इसके लिए आर्थिक निवेश और भरोसे की जरूरत है।

भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है यह भूमिका?

ग्लोबल साउथ की आवाजः भारत खुद को विकासशील देशों के नेता के रूप में देखता है। इस बोर्ड में शामिल होकर भारत अरब देशों और पश्चिमी देशों के बीच एक पुल का काम कर सकता है।

ऊर्जा सुरक्षाः पश्चिम एशिया से भारत का तेल और गैस आयात जुड़ा है। वहां शांति रहने से भारत की अर्थव्यवस्था को स्थिरता मिलती है।

पुनर्निर्माण में अवसरः गाजा के पुनर्निर्माण के लिए अरबों डॉलर का निवेश होगा। भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों के लिए यह एक बड़ा मौका साबित हो सकता है।

यूएस भारत को 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' मानता है

कूटनीतिक विशेषज्ञः विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप का मोदी को बुलाना यह दशार्ता है कि अमेरिका अब भारत को केवल दक्षिण एशिया तक सीमित नहीं देखता, बल्कि उसे एक वैश्विक 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' मानता है।

ठाकरे बंधुओं से दूर हो रहे हैं शिव सेना के परंपरागत मतदाता

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र में विगत दिनों संपन्न हुए स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा 29 में से 17 नगरनिगमों में अकेले अपने दम पर बहुमत हासिल करने में सफल रही है जबकि 8 नगर निगमों में भाजपा नीत महायुति ने बहुमत हासिल किया है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के गठबंधन को इन चुनावों में मिली करारी हार ने सदमे की स्थिति में पहुंचा दिया है।

ये चुनाव परिणाम मुंबई महानगर पालिका में तीस साल से चले आ रहे अविभाजित शिवसेना के वर्चस्व के अंत का संदेश लेकर आए हैं। गौरतलब है कि भाजपा ने मुंबई महानगर पालिका की 227 सीटो में से 89 सीटों पर जीत हासिल कर इतिहास रच दिया है।

सत्तारूढ़ महायुति में भाजपा की सहयोगी शिवसेना (शिंदे गुट)29 सीटें जीतकर दूसरे स्थान पर रही जबकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना 65 सीटों पर सिमट कर तीसरे स्थान पर आ गई। सबसे शोचनीय स्थिति का सामना उसकी सहयोगी राज ठाकरे की महाराष्ट्र सेना को करना पड़ा जिसे मात्र 6 सीटों पर जीत का स्वाद चखने का मौका मिला।

क्या है छिपकली काण्ड जिसके बाद तलाक तक पहुंचा मामला! क्यों विवादों में घिरीं मुलायम की छोटी बहू?

(जीएनएस)।
उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपर्णा यादव का नाम इन दिनों हाई-वोल्टेज ड्रामे का केंद्र बना हुआ है। पिछले कुछ दिनों से लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में हुए 'छिपकली कांड' को लेकर सुर्खियों में रहीं अपर्णा के लिए आज यानी 19 जनवरी 2026 का दिन एक और बड़ा झटका लेकर आया।

जहां एक तरफ वे सरकारी अस्पताल प्रशासन पर खुद पर 'जीव-जंतु' फिंकवाने का आरोप लगाकर कानूनी लड़ाई लड़ रही थीं। वहीं आज उनके पति प्रतीक यादव के सोशल मीडिया अकाउंट से आए 'तलाक' वाले पोस्ट ने आग में घी डालने का काम किया है।

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब महिला आयोग की उपाध्यक्ष के तौर पर अपर्णा यादव केजीएमयू में एक महिला डॉक्टर के कथित 'धर्मांतरण' मामले की फाइल देखने पहुंची थीं। अपर्णा ने आरोप लगाया कि वहां की वीसी डॉ. सोनिया नित्यानंद उनसे मिलने के बजाय भाग गईं। इस दौरान अपर्णा ने दावा किया कि उन पर दबाव बनाने के लिए अंदर से किसी ने उनके ऊपर छिपकली या गिरगिट फिंकवाया।

इस घटना के बाद अपर्णा के समर्थकों ने परिसर में 'जय श्री राम' के नारे लगाए। जिसके पलटवार में यूनिवर्सिटी प्रशासन ने अपर्णा के सुरक्षाकर्मियों और समर्थकों पर सरकारी काम में बाधा डालने का केस दर्ज करा दिया।

KGMU विवाद अभी शांत भी नहीं हुआ था कि आज प्रतीक यादव के आधिकारिक इंस्टाग्राम से एक पोस्ट

वायरल हो गई। इस पोस्ट ने 'छिपकली कांड' से मचे शोर को पारिवारिक कलह की तरफ मोड़ दिया। पोस्ट में प्रतीक यादव के हवाले से लिखा गया कि वह अपर्णा के 'स्वार्थी' व्यवहार से परेशान हैं और जल्द ही तलाक लेने जा रहे हैं।

जैसे ही खबर फैली, अपर्णा के भाई अमन बिष्ट ने मोर्चा संभाला और कहा कि प्रतीक का अकाउंट हैक किया गया है। उन्होंने इसे अपर्णा की छवि खराब करने की कोशिश बताया।

जानकारों का कहना है कि इन दोनों घटनाओं के तार आपस में जुड़े हो सकते हैं। अपर्णा यादव जिस तरह से KGMU में 'लव जिहाद' और भ्रष्टाचार के खिलाफ आक्रामक दिखीं, उसके तुरंत बाद उनके निजी जीवन पर इस तरह का हमला होना कई सवाल खड़े करता है।

समर्थकों का कहना है कि पहले 'छिपकली कांड' के जरिए उन्हें डराने की कोशिश की गई और जब वे नहीं झुकीं, तो अब उनके वैवाहिक जीवन को लेकर सोशल मीडिया पर प्रोपेगेंडा चलाया जा रहा है।

लखनऊ ट्रामा बीवाईएस हॉस्पिटल में दलाली जोरो शोरो पर

(जीएनएस)।
लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री (स्वास्थ्य मंत्री) बृजेश पाठक के आदेशों को धूमिल करते सरकारी स्वास्थ्य विभाग के डाक्टर और दलालों के साथ मिले केजीएमयू के कर्मचारी लोग कई बार खबर चलने के बाद भी पुलिस नहीं कस पा रही है इन८२ वाले दलालों के ऊपर नकेल, नहीं थम रहा है ट्रामा सेंटर के बाहर मरीजों कि दलाली का धंधा, दूर दराज से आये हुए मरीजों का किया जाता है यहाँ शोषण, और ले जाया जाता है बाबू युगराज सिंह कॉलेज ऑफ मेडिकल एंडसाइंस इंस्टिट्यूट जोकि मलेसिया मऊ गोमतीनगर नगर विस्तार मे स्थित है, वहाँ के ओनर अपने भेजे हुए गुर्गों/दलालों जिनमें से ये दोनों भी हैं एक नाम गोलू वर्मा तो दूसरे का नाम फैज है गाड़ी भी जिसका न. वद32छ0946 है जोकि ८२ से इनलोगों को मिली हुई है इसी से करवाते है मेडिकल कॉलेज मे आये हुए मरीजों का सौदा, सौदा करने के लिए बाहर 4 पहिया गाड़ी मे बैठे दलाल लोग गाड़ी भी हॉस्पिटल के ऑनर द्वारा इन लोगो को दी जाती है ताकि मेरे गुर्गों को कोई देख ना सके और वो अपना काम बड़ी सफाई से कर सकें, आप इस विडिओ और फोटो मे साफ देख सकते है, फैज, गोलू वर्मा को और उन्ही के साथी लोग जोकि गाड़ी मे बैठे है, करते है बाहर से आये हुए मरीजों का सौदा, सौदा होने के बाद मरीज के तिमारदारों को दलाल लोग किनारे ले जाते हैं समझाने, साथ मे स्टाफ के कुछ कर्मचारी भी अपने कमीशन के चक्कर मे मरीज के परिजनों को डर देते है ब्रेन वाश और दलालों के साथ मिलकर करते है उनके परिजनों से मीठी-मीठी बाते और आखिर मे उनको और मरीज को समझा बुझाकर दलालों द्वारा भेज दिया जाता है, दलालों के अपने निजी बाबू युगराज सिंह प्राईवेट हॉस्पिटल, जहां फिर मरीज के पहुँचते ही शुरू हो जाता है, उनसे इलाज के नाम पर उनपर रिसर्च करने और ज्यादा से ज्यादा पैसा ऐंठने का काम,और करने लगते हैं मरीज के परिजनों से धन उगाही इन्हीं सरकारी विभाग के लोगों कि मिलीभगत से ही तो दलालों कि भरमार है आपको केजीएमयू मेडिकल कॉलेज, ट्रामा सेंटर के अंदर बाहर दलाल मिल जाएंगे, जोकि करते रहते हैं शहर से और बाहर से आये हुए सीधे साधे लोगों को बेवकूफ बनाकर अवैध तरीके से धन उगाही का काम आखिर क्या मजबूरी है सरकारी कर्मचारियों कि जबकि सरकार मतलब भर का वेतन भी देती है फिर भी ऐसे दलालों के साथ मिलकर क्यों करते हैं ऐसा घिनौना काम किसी परेशान परिवार कि क्यों लेते है हाय जबकि उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग मे किसी चीज कि कमी नहीं है सारे सरकारी असपतालों मे सारी सुविधाएँ उपलब्ध हैं उसके बाद भी वहाँ का स्टाफ कभी ऑक्सीजन तो कभी इंजेक्शन, तो कभी दवाई का बहाना बनाकर मरीजों को दलालों के हाथ दे देते हैं बेच, खैर कोई बात नहीं अब देखना ये होगा कि इन दलालों के ऊपर स्वास्थ्य विभाग और पुलिस प्रशासन क्या करते हैं कार्यवाही।

पीलीभीत में फिर गौकशी हुई की घटना:ग्राम रघुनाथपुर में कसाइयों का दुस्साहस,बंधे कसाई ने 10 पुलिसवालों को चकमा देकर हुआ फरार

(जीएनएस)।
पीलीभीत,पूरनपुर,ग्राम रघुनाथपुर में रात लगभग 11:30 बजे एक चौंकाने वाली गौकशी की घटना ने ग्रामीणों में आक्रोश पैदा कर दिया। गांव से महज 10 कदम दूर अमन वर्मा पुत्र सतपाल वर्मा के बाग में कुछ कसाइयों ने एक या इससे अधिक गोवंश की निर्मम हत्या कर दी और मांस के टुकड़े करने की तैयारी कर रहे थे।

रघुनाथपुर निवासी अरुण वर्मा ने बाग में कट-पट की आवाज सुनी और अमन वर्मा को सूचना दी कि उनके बाग में गाय लकड़ी काटी जा रही है। अमन वर्मा छह ग्रामीणों के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे तो भयानक दृश्य देखा—कसाई गौमाता के पैर काट रहे थे।ग्रामीणों को देखते ही कसाई भागने लगे। अमन वर्मा, सतपाल वर्मा और अन्य ग्रामीणों ने एक कसाई को धर दबोचा, उसके हाथ-पैर बांधकर बाग में ही बिठा दिया।

ग्रामीणों ने तत्काल राष्ट्रीय बजरंग दल के ठाकुर शिवम सिंह भदोरिया को सूचना दी, जो पूरनपुर टीम से आर्यन पांडेय के साथ मौके पर पहुंचे। साथ ही पुलिस को भी कॉल किया गया। पुलिस पहुंची तो बंधे कसाई को अपने कब्जे में लिया और ग्रामीणों से उसके बंधन खुलवाए। लेकिन हैरानी की बात—बंधे हुए कसाई ने 10 पुलिसवालों को चकमा देकर फरार हो गया।

सवालों का घेरा:हाथ-पैर बंधे कसाई ने 10 पुलिसवालों को चकमा देकर कैसे फरार हो गया?गांव से सिर्फ 10 कदम दूर गौकशी होती रही, क्या किसी ग्रामीण की मिलीभगत थी या सबकी आंखें बंद क्यों रहीं?

राष्ट्रीय बजरंग दल और अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के कार्यकर्ता ठाकुर शिवम सिंह भदोरिया (श्री बालाजी दरबार सेवादार) ने कहा कि गौकशी रोकने के लिए सतत सजगता जरूरी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन फरार कसाई की तलाश जारी है। ग्रामीणों ने सख्त कार्रवाई की मांग की है।

स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह संगठक सतीश कुमार ने कहा भारत के स्वाभिमान हेतु स्वदेशी को मजबूती से अपनाना जरूरी

(जीएनएस)।
लखनऊ। देवघर के बैद्यनाथ धाम रेलवे स्टेशन रोड स्थित न्यू ग्रैंड होटल के परिसर में स्वावलंबी भारत अभियान एवं देश की वर्तमान परिस्थितियों पर एक परिचर्चा का कार्यक्रम संपन्न हुआ। मुख्य वक्ता स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह संगठक सतीश कुमार थे। उन्होंने बोलते हुए कहा कि हमारा देश विश्व का सबसे युवा देश है। हमारे लोगों में कार्य करने की क्षमता अधिक है और हम निरंतर आर्थिक रूप से आगे मजबूत होते जा रहे हैं और अगले तीन वर्षों में विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाएंगे। उन्होंने भारत के नागरिकों से अपील किया कि वे अमेरिकी सामानों सहित सभी विदेशी सामानों की जगह स्वदेशी समान स्थानीय या अपने देश में बनी हुई वस्तुओं की यथासंभव खरीदारी और उपयोग करें ताकि अमेरिका द्वारा भारत पर मनमाने ढंग से लगाए जा रहे टैरिफ का हम मुंहतोड़ जवाब दे सकें और भारत आर्थिक सांस्कृतिक एवं

सामरिक रूप से मजबूत बन सके। उन्होंने कहा कि स्थानीय वस्तुओं की खरीदारी कर हम अपने देश के उद्योग धंधों को प्रगति की राह पर ले जाने के साथ ही बेरोजगारी को दूर करने में सहयोगी बन सकते हैं।

आज के इस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांत समन्वयक मनोज कुमार सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से देवघर चेंबर ऑफ कॉमर्स के शिव सर्राफ पंकज मोदी, स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक संजय कुमार सिंह, स्वावलंबी भारत अभियान के जिला पूर्णकालीन अमर कुमार सिन्हा, जिला सह समन्वयक जीवेश कुमार सिंह जिला सहसंयोजक राजीव झा, प्रभाष गुप्ता, ऋतुपति दास, महेश दुबे, अभय कुमार सिंह, आशा झा, माया केशरी, लक्ष्मी देवी, सुप्रिया गुप्ता, खुशबू कुमारी, ऋतुपति दास, गिरीश कुमार सिंह, पंकज भदौरिया, बबलू मित्रा, एस डी मिश्रा, एस झा सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

पीलीभीतः जसकरनापुर स्कूलों में घटिया सामग्री से निर्माण

पीलीभीत (जीएनएस)।
बीसलपुर विकास क्षेत्र, जिला पीलीभीत। उच्च प्राथमिक विद्यालय जसकरनापुर और प्राथमिक विद्यालय जसकरनापुर में चल रहे निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री के उपयोग के आरोपों ने ग्रामीणों में रोष पैदा कर दिया है। इतने बड़े फंड के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी और अध्यापक लापरवाही बरत रहे हैं। यदि भविष्य में बिल्डिंग से कोई अप्रिय घटना हुई, तो जिम्मेदारी कौन लेगा?गांववासियों ने बताया कि निर्माण में खराब गुणवत्ता का सीमेंट, ईंट और सरिया लगाया जा रहा है। एक ग्रामीण ने आरोप लगाया, "काफी पैसा आता है, लेकिन पूरा खर्च नहीं होता। बचा पैसा गोलमाल से हड़प लिया जाता है। हेड

अध्यापक की भी इसमें जिम्मेदारी है, फिर भी उच्च गुणवत्ता का कार्य नहीं हो रहा।"मेंटेनेंस फंड का क्या होता है?स्कूलों को मेंटेनेंस के लिए अलग फंड मिलता है, लेकिन इसका हिसाब-किताब गायब है। निर्माण में कहा, "कल (20 जनवरी) मौके पर ही घटिया सामग्री का उपयोग हो रहा है, तो रखरखाव का क्या हाल होगा? विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी बिल्डिंग की गुणवत्ता 5-10 वर्षों से ज्यादा नहीं टिकेगी, जो बच्चों के लिए खतरा है। एबीएसए हर्षित शर्मा को शिकायत, कल निरीक्षण का आश्वासन शिकायतकर्ता ने ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (एबीएसए) हर्षित शर्मा जी से फोन पर संपर्क कर पूरी जानकारी दी। एबीएसए हर्षित शर्मा ने कहा, "कल (20 जनवरी) मौके पर जाकर निरीक्षण किया जाएगा और उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।" ग्रामीण अब इंतजार कर रहे हैं कि वादा कितना पूरा होता है।स्थानीय लोगों ने मांग उठाई:निर्माण कार्य तत्काल रोकें और सामग्री की जांच कराएं।हेड अध्यापक व ठेकेदार पर कानूनी कार्रवाई करें।फंड उपयोग की ऑडिट सार्वजनिक करें।पारदर्शी निगरानी के लिए थर्ड-पार्टी निरीक्षण अनिवार्य हो।कानूनी कार्रवाई कब? प्रशासन जागेगीभी की यह कोई स्कूल निर्माण घोटालों की यह कोई नई बात नहीं। समय रहते जांच न हुई तो बड़ा हादसा हो सकता है। जिला शिक्षा विभाग से त्वरित कदम उठाने की अपील की जा रही है।

प्रधान पति ने दरोगा को पीटा:विवाद की सूचना पर पहुंचे हल्का दरोगा, बहस के बाद हाथापाई तक पहुंचा मामला

पीलीभीत (जीएनएस)।
पीलीभीत,दियोरिया कोतवाली क्षेत्र में कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाली घटना सामने आई है। ग्राम मुड़िया भगवन्तपुर में एक विवाद की सूचना पर पहुंचे हल्का दरोगा अखिलेश चौहान पर ग्राम प्रधान पति ने हमला कर दिया। हमले में दरोगा घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

सोमवार को ग्राम मुड़िया भगवन्तपुर में किसी विवाद की सूचना मिलने पर हल्का दरोगा अखिलेश चौहान मौके पर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि वहां मौजूद ग्राम प्रधान पति विमल मिश्रा से किसी बात को लेकर पुलिस टीम की बहस हो गई। देखते ही देखते बहस बढ़ गई और मामला मारपीट तक पहुंच गया।

हमले में दरोगा को आई गंभीर चोटें

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ग्राम प्रधान पति ने दरोगा अखिलेश चौहान पर हमला कर दिया। इस हमले में उपनिरीक्षक को गंभीर चोटें आई हैं।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के तुरंत बाद घायल दरोगा को दियोरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (उलउ) ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस अधिकारी पर हमले की सूचना मिलते ही जिला मुख्यालय स्तर पर अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया।

गांव में तनाव, भारी पुलिस बल तैनात

घटना की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी बीसलपुर समेत कई थानों की पुलिस फोर्स गांव में तैनात कर दी गई है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन तनाव बना हुआ है। पुलिस ने आरोपी ग्राम प्रधान पति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। वरिष्ठ अधिकारियों ने साफ कहा है कि वर्दी पर हाथ उठाने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

पीलीभीतः बीसलपुर वीडीओ ने ग्रामीण आवास योजना के रिकॉर्ड की जांच की, लाभार्थियों से घर-घर जाकर मिले

(जीएनएस)।
पीलीभीत। जिले के बीसलपुर विकासखंड में तैनात वीडीओ सर्वेश कुमार ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के रिकॉर्ड की गहन जांच सर्वेश कुमार ने मौके पर मिले तथ्यों का विस्तृत रिकॉर्ड तैयार किया और इसे उच्च अधिकारियों को सौंप दिया। उनका कहना है कि इससे ग्रामीणों को समय पर पक्के आवास उपलब्ध

की। उन्होंने ग्राम सुजनी और गुलेदा में पहुंचकर लाभार्थियों से सीधे मुलाकात की तथा मौके पर सत्यापन किया। इस निरीक्षण से योजना की पारदर्शिता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।सुजनी गांव में वीडीओ ने 13 आवासों का री-चेक किया, जबकि गुलेदा में 7 आवासों का सत्यापन पूरा हुआ। कराने में सहायता मिलेगी।यह कार्रवाई ग्रामीण विकास विभाग की पारदर्शिता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय ग्रामीणों ने भी वीडीओ के इस प्रयास की सराहना की है। जिला प्रशासन ने ऐसी जांचों को नियमित बनाने के निर्देश दिए हैं।

गैंगस्टर एक्ट में अभियुक्त को साढ़े दो वर्ष से अधिक की सजा

थाना सेहरामऊ उत्तरी पुलिस की प्रभावी पैरवी से मिला दोषसिद्धि का फैसला

पीलीभीत। (जीएनएस)।
पुलिस उपमहानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा की जा रही गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं प्रभावी अभियोजन के फलस्वरूप थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के एक गैंगस्टर एक्ट अभियोग में न्यायालय द्वारा अभियुक्त को सजा सुनाई गई है। पुलिस द्वारा उपलब्ध कराए गए साक्ष्य एवं सुदृढ़ पैरवी के आधार पर माननीय न्यायालय द्वारा धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत अभियुक्त को 02 वर्ष 04 माह 05 दिन का कारावास तथा 5,000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना सेहरामऊ उत्तरी पर वर्ष 2011 में अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शनके अभियान के अंतर्गत मु.अ.सं. 68/2011 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट पंजीकृत किया गया था। विवेचना के दौरान संकलित साक्ष्यों एवं सुसंगत तथ्यों के आधार पर अभियुक्त हसरत अली पुत्र सद्दीक शाह, निवासी ग्राम भगवंतापुर, थाना पूरनपुर, जनपद पीलीभीत के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

मामले की सुनवाई माननीय न्यायालय अरब-1 / डडवरड / गैंगस्टर कोर्ट, पीलीभीत में चल रही थी, जहां अभियोजन पक्ष द्वारा प्रभावी पैरवी की गई। न्यायालय द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं अभिलेखों के अवलोकन के उपरांत दिनांक 19 जनवरी 2026 को अभियुक्त को दोषसिद्ध पाते हुए उक्त सजा सुनाई गई।

दारोगा के गिरफ्तारी की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप

25 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

(जीएनएस)।
मसौली बाराबंकी। एंटी करप्शन की टीम ने सोमवार को बदोसराय थाने में तैनात प्रमोटी दारोगा सुरेश कुमार को नगर कोतवाली क्षेत्र के पलहरी ओवरब्रिज के निकट से 25 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। टीम उसे लेकर सफदरगंज थाने पहुंची और पूछताछ में जुटी है। दारोगा के गिरफ्तारी की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।

बताते चले कि बदोसराय थाना क्षेत्र के ग्राम खलसापुर मे विगत दिनों हुई मारपीट में शामिल एक महिला एव युवक का नाम निकालने के लिए

मुकदमे के विवेचक प्रमोटी दरोगा सुरेश कुमार ने अभियुक्त के चचेरे भाई से 50 हजार की रिश्वत मांगी थी मामले की मध्यस्ता के लिए अभियोजन कार्यालय मे संविदा पर तैनात कम्प्यूटर ऑपरेटर अशफाक के जरिये नगर कोतवाली क्षेत्र के पलहरी ओवरब्रिज के निकट 25 हजार रुपये ले रहे थे तभी एंटी करप्शन अयोध्या की टीम ने रंगे हाथ 25 हजार रुपये के साथ रिश्वतखोर उपनिरीक्षक सुरेश कुमार व मध्यस्त अशफाक को दबोच लिया। एंटी करप्शन टीम ने दोनो थाना सफदरगंज लाकर कार्यवाही की जा रही है।

पीलीभीत के वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक ब्रजेश समाधिया का बीमारी से निधन, समाज ने दी श्रद्धांजलि

(जीएनएस)।
पीलीभीत/ बीसलपुर तहसील के वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक श्री ब्रजेश समाधिया जी का शनिवार रात बीमारी के चलते आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की दुखद सूचना मिलते ही नगर के पत्रकार बंधु, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिकों ने एकत्र होकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।श्री समाधिया लंबे समय से स्थानीय पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय थे और उनकी कलम ने सामाजिक मुद्दों को हमेशा आवाज दी। उनके असामयिक निधन से पत्रकारिता जगत शोकाकुल है। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने उनके योगदान को याद करते हुए प्रार्थना की कि ईश्वर

उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और परिजनों को इस दुख को सहने की शक्ति दें।

जाति छिपाकर सोशल मीडिया पर सक्रिय लोगों पर हो कार्रवाईः ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

ज्योतिष सेवा केन्द्र के संस्थापक ने उठाया सामाजिक पारदर्शिता का मुद्दा

(जीएनएस)।
लखनऊ। ज्योतिष सेवा केन्द्र के संस्थापक एवं प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री ने सोशल मीडिया पर जाति छिपाकर या किसी अन्य जाति का उपनाम (सरनेम) लगाकर सक्रिय रहने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। उन्होंने इसे सामाजिक ईमानदारी और पारदर्शिता से जुड़ा गंभीर विषय बताया है।

पंडित अतुल शास्त्री ने कहा कि अपनी जाति छिपाना या दूसरी जाति के नाम से पहचान बनाना गलत है और इससे समाज में भ्रम व अविश्वास पैदा होता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि व्यक्ति जिस भी जाति से है, उस पर गर्व करना चाहिए न कि पहचान छिपानी चाहिए। हम हर जाति का यथोचित सम्मान

करते हैं और करते रहेंगे, लेकिन जो लोग जाति छिपाकर या दूसरे का सरनेम लिखकर समाज को गुमराह करते हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाना चाहिए।ह ज्योतिषाचार्य शास्त्री ने भरोसा जताया कि इस मुद्दे को समाज का व्यापक समर्थन मिलेगा। उन्होंने प्रशासन और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से भी अपील की कि फर्जी पहचान के जरिए सक्रिय अकाउंट्स की जांच हो और नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सामाजिक समरसता की नींव सत्य और पारदर्शिता पर टिकी होती है। पहचान छिपाने की प्रवृत्ति न केवल गलत है, बल्कि यह समाज में विभाजन और गलतफहमियों को भी जन्म देती है। पंडित अतुल शास्त्री के इस बयान के बाद सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों में चर्चा तेज हो गई है, और आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर ठोस पहल की संभावना जताई जा रही है।